THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION (SHRI MOHAN DHARIA): I beg to move for leave to introduce a Bill to amend the Energy property Act, 1986.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to amend the Enemy Property Act, 1968."

The motion was adopted.

SHRI MOHAN DHARIA. I introduce the Bill.

STATEMENT RE: ENEMY PROPERTY (AMENDMENT) ORDINANCE

वाणिज्य और नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार गोयल) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से शत्रु-सम्पत्ति (संशोधन) अध्यादेश, 1977 द्वारा तुरन्त विधान बनाये जाने के कारण बताने वाला एक व्याख्यात्मक विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) सभा पटल पर रखता हूं ।

14.13 hrs.

MATTER UNDER 377

NEWS COVERAGE BY AIR AND T.V. OF LOK SABHA PROCEEDINGS RE. LADY HARDINGE MEDICAL COLLEGE ETC.

श्री मनोराम बागड़ी (मथुरा) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात कहूं, उससे पहले मैं एक वक्तव्य आपके सामने रखूंगा । नियम 377 के अन्तर्गत जो बात कही जाये, वह जिस मंत्रालय से सम्बन्ध रखती हो, सम्बन्धित मंत्री यहां मौजूद न हों तो उसका कोई फायदा नहीं है । दो मंत्री रखे जाते हैं, एक बड़ा मंत्री और दूसरा राज्य मंत्री । लेकिन कोई भी मंत्री आकाशवाणी या दूरदर्शन से सम्बन्धित यहां पर नहीं है ।

मैं आपसे चाहूंगा कि आप आदेश दें कि सम्बन्धित मंत्री महोदय सदन में आयें और बात को सुनें । इस तरह से 377 का मतलब क्या होता है, न तो अडवाणी साहब हैं और न श्री जगवीर सिंह यहां मौजूद हैं ।

MR.DEPUTY-SPEAKER. Yes, you go on to the subject. It is in order.

श्री मनी राम बागड़ी : क्या जायज है उनका गैर-हाजिर होना ?

उपाध्यक्ष महोदय : 377 के अन्तर्गत जो विषय आप उठा रहे हैं, उसके बाबत किसी मिनिस्टर का यहां पर उपस्थित रहना जरूरी नहीं है । अगर वह चाहें तो रह सकते है । आप अपना विषय कहिए ।

श्री मनीराम बागड़ी : उपाध्यक्ष महोदय, दूरदर्शन और आकाशवाणी का रेडियो, असल में भारत के जो बिल्कुल दिल की बात है, उसको यह कवर नहीं करते है । मेरा 377 के अन्तर्गत जो उल्लेख है, वह यह है कि 14 तारीख को जागरूक जनता पक्ष ने एक लाख आदमियों की रैली की और उस रैली को स्वास्थ्य मंत्री श्री राजनारायण ने संबोधित किया । आकाशवाणी के मंत्री श्री जगवीर सिंह और दूसरे कितने ही वहां साथ-साथ थे, लेकिन दूरदर्शन और आकाशवाणी ने उसको छुआ नहीं । हालांकि उसमें कितने ही दूसरे राज्यों के मम्बर थे ।

इसी तरीके से यहां पर मैंने लोक-सभा में जब स्वास्थ्य मंत्री श्री राजनारायण ने लेडी हार्डिंग अस्पताल बिल रखा, तब मैंने उसमें एक प्रस्ताव किया था कि लेडी हार्डिंग के बजाय श्रीमती सुचेता कृपालानी